वरिष्ठ
राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

निष्काम भाव से कर्म...

ईश्वरीय शक्ति से ही होगी विजय

हम सभी ईश्वरीय कार्यों में संलग्न हैं। भगवान इस सृष्टि पर अवतरित हुए युग बदलने के लिए। और कहा कि मैं करनकरावनहार हूँ, तुम मेरे साथी निमित्त बन जाओ, तुम्हारे द्वारा मैं कार्य करूंगा। जैसे ब्रह्मा बाबा के द्वारा निराकार शिव बाबा ने कार्य किया, ज्ञान दिया। तो ब्रह्मा बाबा ये कभी नहीं कहता था कि ज्ञान मैं देता हूँ। प्रैक्टिकल में यही सत्य था। सारा कार्य शिव बाबा के द्वारा हो रहा है। ये यज्ञ भी उसने रचा, यज्ञ में जो समर्पित हो रहे हैं वो उसके ऊपर हो रहे हैं। हम सभी उसके कार्य को सम्पूर्ण करने में लगे हुए हैं। जैसे रामायण में है, हनुमान ने राम के सारे काज संवारे। जहाँ कोई काम नहीं कर सकता, हनुमान ने फटाफट कर दिया, बिना कहे कर दिया। हम भी हनुमान, महावीर हैं। माया को जीतने वाले भी और भगवान के कार्य को सफल करने वाले भी हैं। तो इस कार्य में हमें ये याद रखना है कि ईश्वरीय शक्तियां हमारे साथ काम कर रही हैं। ईश्वरीय ज्ञान हमें प्राप्त हुआ है। सद्विवेक हमें मिला है। हम केवल निमित्त मात्र हैं, कहीं हमें सफलता मिलती है तो उसकी शक्तियों के कारण, लेकिन हमारा उसमें खेल क्या है? कि हम जितने योग्य बनेंगे, उतना ही वो हमें अच्छा यूज़ करेगा। अब किसी को बोलना ही न आता हो और भगवान उसके तन में आकर कहे कि मैं बोलूंगा तो मुश्किलात हो जायेगी ना। तो शिव बाबा ने हमें निमित्त बनाया ईश्वरीय कार्यों के लिए। हम याद रखेंगे, हम निमित्त हैं इस कार्य में। मैं और मेरा नहीं आना चाहिए। दुनिया में भी यही खेल चल रहा है। पॉलिटिकल पार्टी, दुनिया में हज़ारों संगठन हैं, उन सब में, बल्कि कहीं-कहीं परिवारों में, फैक्ट्रियों में, कम्पनियों में, मेरा नाम क्यों नहीं हुआ? मुझे क्यों नहीं पूछा गया? मेरे बारे में ये क्यों बोला, ये काम तो मैंने किया, इसका श्रेय तो मुझे मिलना चाहिए। ये काम केवल मैं ही करूंगा/करूंगी, मेरे सिवाय इसको कोई छू नहीं सकता। ये मैं-पन हमारे जीवन को अभिमान से भर देता है और हमारा तो सेवा का कार्य है। वैसे तो संसार में हर मनुष्य को हर कार्य को सेवा का कार्य मानना चाहिए। चाहे आप पॉलिटिकल पार्टी में हैं, अच्छे पदों पर हैं, हम समाज की, देश की, जनता की सेवा के लिए हैं। हमारा काम है सबको सुख देना, सबकी समस्याओं को हल करना, उनके बिगड़े हुए काम को संवारना। हम भी यही संकल्प अपने अन्दर रखें कि हम दाता हैं। देने के बाद हमें लेने की कोई इच्छा न हो, चाहे वो मान-सम्मान की बात हो, चाहे और कुछ लेने की बात हो। कुछ लेकर यदि मनुष्य कुछ देता है तो देने का महत्व घट जाता है, पुण्य भी कम हो जाता है। हम इस पर बहुत ध्यान देंगे। बाबा ने बहुत अच्छे महावाक्य उच्चारण किए - मैंपन आया और गुलदस्ता मुरझाया। सेवाओं का गुलदस्ता मुरझाया।

मैं-पन आने लगता है तो सेवायें सूखने लगती हैं, मुरझाने लगती हैं। सेवाओं में हरियाली नहीं रहती, न सेवा करने वालों को सुख-शांति, खुशी, और एक परम संतोष प्राप्त होता है। हम बचें इन चीज़ों से।

किसी भी निमित्त आत्मा में यदि मैं-पन आने लगता है तो सेवायें सूखने लगती हैं, मुरझाने लगती हैं। सेवाओं में हरियाली नहीं रहती, न सेवा करने वालों को सुख-शांति, खुशी, और एक परम संतोष प्राप्त होता है। हम बचें इन चीज़ों से। हम तो महाभारत से सीखते थे, बचपन से सीखा था कि पाण्डवों के साथ ईश्वरीय शक्ति थी तो वो बहादुर थे, तब उनकी विजय हुई। जिन्होंने महाभारत देखी है तो वो जानते हैं कि अगर भगवान उनके साथ न होते तो वो जीत नहीं सकते थे। कर्ण भी बहुत बहादुर थे। तो भीष्म को मारना, हराना ये तो असम्भव था। द्रोणाचार्य भी बहुत बड़े योद्धा थे लेकिन ईश्वरीय शक्तियों के सहयोग से और गम्भीर कूटनीति से विजय हुई। हम भी ये भूलें नहीं कि हमारे साथ भी ये ईश्वरीय शक्ति है। और जिस दिन ये ईश्वरीय शक्ति हट जाती है, महाभारत के अन्तिम सीन में दिखाया, तो भीम की भुजाओं में बल नहीं रहा। युधिष्ठिर के पास धर्म का राज्य चलाने के लिए शक्ति नहीं रही। अर्जुन रास्ते में भीलों से ही हार गया। भीलों के पास वो छोटे-छोटे लकड़ी के बने तीर और कमान थे। और अर्जुन का गांडीव भी उनका कुछ नहीं कर सका। ईश्वरीय शक्ति थी तब विजय थी, तब बल था, तब विवेक था, तब धर्म की सत्ता थी। हमें ये बात बहुत गहराई से अपने अन्दर समा लेनी है। कई लोगों को बहुत दुविधा सी रहती है। हम बहुत सेवा करते हैं, हमें कोई जानेगा ही नहीं तो मज़ा कैसे आयेगा! नाम उनका हो रहा है जो कुछ नहीं करते, और जो बहुत कुछ करते हैं वो गुप्त हैं। लेकिन हमें याद रखना चाहिए, जो बहुत कुछ करके गुप्त हैं उनको बल बहुत मिल रहा है, उनको भाग्य बहुत मिल जायेगा। और जो थोड़ा करके नाम-मान के पीछे भाग रहे हैं उन्हें नाम-मान मिल रहा है लेकिन उनका बल और भाग्य वहीं समाप्त हो रहा है। दुनिया में भी हम इसी बात पर ध्यान देंगे। कर्मातीत होने में सबसे बड़ी दीवार मैंपन की ही है। ये रोकता है, ये हमारे सामने दीवार बनकर खड़ा है। ये अनेक व्यर्थ संकल्पों का कारण बन जाता है, तो 'मैं' को भी छोड़ना है और 'मेरा' इसको भी छोड़ना है। तब नशा चढ़ेगा कि मेरा बाबा, यानी जो भगवान है वो मेरा है।

जब तक हम इस संसार के तेरे-मेरे में लगे हुए हैं, न ईश्वरीय नशा चढ़ेगा, न उससे अपनेपन की फीलिंग होगी, न वो हमें अपना मान कर मदद करेगा, बल देगा। तो चाहे आप लौकिक में हैं, अलौकिक में हैं, ये 'मैं-पन' हमें स्वमान से चेंज कर देना है। सबकुछ करके सबकुछ छुपा देना जैसे ब्रह्मा बाबा ने किया। बहुत बड़े-बड़े काम किए लेकिन सदैव कहा शिव बाबा कर रहा है। हम जानते थे ये ब्रह्मा बाबा ने ही किया है। लेकिन कहा नहीं, मैं तो निमित्त हूँ, मैं कुछ नहीं करता, और न ही मैं कुछ कर सकता हूँ। ऐसी निर्मानता, ऐसी निरहंकारिता, मनुष्य को निरन्तर आगे बढ़ाती है। बहुत अच्छे सुख-शांति का अनुभव कराती है। और एक ईश्वरीय बल अन्दर में बना रहता है। जो समस्याओं से लड़ने की ताकत देता है।

जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन सेवाकेन्द्र के प्रभुनिधि सभागार में एनसीसी केडेट्स के लिए आयोजित किये जाने वाले 'सेल्फ एम्पावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग' कार्यक्रमों की श्रृंखला के शुभारंभ कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए एयर कमोडोर एल.के. जैन, लंदन से आईं ब्र.कु. गोपी बहन, ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर की उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सुषमा दीदी तथा रिटा. कर्नल बी.सी. सती। कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. चंद्रकला दीदी, अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें व भारतीय सेना के अफसरों सहित 300 केडेट्स मौजूद रहे।

अयोध्या-उ.प्र.। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राम जन्म भूमि के पुजारी सत्येन्द्र दास जी को परमात्म स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. सुधा बहन एवं ब्र.कु. उषा बहन।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन, हृदय रोग विशेषज्ञ नरेश चन्द्र माथुर, मेडिकल सर्जिकल शॉप के मालिक मनीष सिन्हा, एल्युमीनियम फैक्ट्री के मालिक प्रकाश कुमार अग्रहरि तथा अन्य।

पहाड़ी-भरतपुर(राज.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सी.बी.ई.ओ. नीलकमल जी को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन।

सूरतगढ़-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा वाई20 अभियान के तहत जीहेल्प सूरगढ़ कोचिंग सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में 82 अग्निवीर ट्रेनी, ट्रेनर्स, ब्र.कु. गीता बहन,भीनमाल, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी दीदी आदि शामिल रहे।

दिल्ली-विपिन गार्डन। नारायणा स्कूल में नशा मुक्ति कार्यक्रम के पश्चात् एसीपी जगबीर सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जानकी बहन। साथ हैं इंस्पेक्टर प्रमोद, इंस्पेक्टर अजय, ब्र.कु. नवीन तथा इंस्पेक्टर एसएचओ सतीश।

रूरा-कानपुर देहात(उ.प्र.)। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमति लक्ष्मी नागप्पन को ईश्वरीय संदेश देते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन।

नवांशहर-एसबीएस नगर(पंजाब)। के.सी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स कैंपस की डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुजराती को ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति मीडिया द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं से अवगत कराने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राम भाई।

निम्बाहेड़ा-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में गुरु पूर्णिमा के अवसर आयोजित कार्यक्रम में उपजिला प्रमुख भूपेन्द्र सिंह सोलंकी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शिवली बहन। कार्यक्रम में समाजसेवी यू.एस. शर्मा, अम्बालाल जी, हिमांशु जी सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।